मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 244, मुंबई, शनिवार, 18 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

आदित्य ठाकरे पर दर्ज हुई एफआईआर

मुंबई में बिना पूछे कर दिया था ब्रिज का उद्घाटन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे पर एफआईआर दर्ज किया गया है। मुंबई के एनएम जोशी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई है। आरोप है कि उन्होंने बिना इजाजत लोअर परेल ब्रिज का उद्घाटन कर दिया था। इस दौरान मौजूद उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना के तमाम नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। बीएमसी ने अपनी शिकायत में कहा कि आदित्य ठाकरे ने ब्रिज का अवैध रूप से उद्घाटन किया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

महाराष्ट्र में ओबीसी लड़कियों की 100 फीसदी फीस माफ?

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में ओबीसी और आर्थिक रूप से पिछड़ी लड़कियों के लिए अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश के बाद राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने बड़ा फैसला लिया है। जानकारी सामने आई है कि चंद्रकांत पाटिल राज्य में ओबीसी और आर्थिक रूप से पिछड़ी लड़कियों की 100 फीसदी फीस माफ करने की सिफारिश करेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खुद चंद्रकांत पाटिल को ऐसा प्रस्ताव देने का आदेश दिया है। इसके बाद चंद्रकांत पाटिल ने इस संबंध में सिफारिश करने का फैसला किया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कैबिनेट में लिए गए कई फैसले

बैठक में बालासाहेब ठाकरे स्मृति मातोश्री ग्राम पंचायत योजना का भी विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। राज्य कैबिनेट में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। अब शिक्षण संस्थान समूह विश्वविद्यालय स्थापित कर सकेंगे। इस संबंध में दिशानिर्देशों को मंजूरी दे दी गई है।राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में आज राज्य आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट पेश की गई।

बीएमसी ने तैनात किए 3 हजार 117 कर्मी

घर-घर तलाशे जाएंगे टीबी और कुष्ठ रोगी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीएमसी प्रशासन ने मुंबई को टीबी और कुष्ठ रोग से मुक्त कराने के लिए एक अभियान छेड़ने का फैसला किया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए महानगर में 3 हजार 117 स्वास्थ्य कर्मियों के दस्ते तैनात किए गए हैं, जो घर-घर जाकर टीबी और कुष्ठ रोगियों की तलाश करेंगे। ये मुहिम 20 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 तक चलाई जाएगी। कुल 11 लाख 88 हजार घरों में अनुमानित 4.9 लाख लोगों की जांच की जाएगी। बीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार मनपा क्षेत्र में वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्ष 2030 तक कुष्ठ रोग उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 3 हजार 117 लोगों की टीमों का गठन किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सास के घर नहीं, जेल में खाई है दो साल रोटी

छगन भुजबल का मनोज जरांगे पर हमला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल पर जमकर हमला बोला। अंबाड में आयोजित ओबीसी एल्गार परिषद की रैली में उन्होंने जारांगे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने जरांगे पर हमला बोलते हुए कहा, मैं अपनी मेहनत का खाता हूं, तुम्हारी तरह सास के घर पर टुकड़े नहीं तोड़ता, लेकिन जरांगे ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भुजबल की भाषा निम्न स्तर की है और वह बूढ़े हो गए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

आरक्षण की बताई कहानी

उन्होंने कहा कि शरद पवार ने इस जिले की मांग पूरी करने का वादा किया। आज कई लोग कह रहे हैं कि शरद पवार ने ओबीसी को आरक्षण दिया। हमें नुकसान पहुंचाया। लेकिन यह वैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब मंडल कमीशन ने आरक्षण दिया। फिर भी कुछ लोग कोर्ट चले गये। सुप्रीम कोर्ट में नौ जज बैठे थे। इसमें पूर्व जस्टिस पीबी सावंत भी थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

स्वीप करने का परस्पेशन!

राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस के नए मुख्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे तब उन्होंने एक कार्यक्रम में पांच राज्यों को विधानसभा चुनाव को लेकर भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सरकर बनाएगी लेकिन राजस्थान में कांग्रेस को कड़ी टक्कर मिलेगी। उनके इस बयान की बहुत चर्चा हुई। माना गया कि खुद राहुल ने राजस्थान में अपनी पार्टी की संभावना को कम कर दिया। इसके बाद राहुल राजस्थान से दूर रहे। नौ अक्टूबर को चुनाव की घोषणा हुई उसके बाद राहुल का एक कार्यक्रम नहीं हुआ। वे 23 सितंबर के बाद पहली बार 16 नवंबर को राजस्थान पहुंचे। तब उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस राजस्थान में स्वीप करने जा रही है यानी बड़ी जीत हासिल करने जा रही है। सवाल है 23 सितंबर और 16 नवंबर के बीच क्या बदल गया, जिसकी वजह से राहुल को लग रहा है कि पहले जो मुकाबला कांटे का था वह एकतरफा हो गया है? यह सिर्फ राहुल गांधी की बात नहीं है, बल्कि कांग्रेस के सभी नेताओं में भरोसा बना है कि हर पांच साल पर राज बदलने का राजस्थान का रिवाज कांग्रेस बदल देगी। इस बार कांग्रेस लगातार दूसरी जीत हासिल करेगी। कांग्रेस का यह भरोसा कई कारणों से बना है। इसमें कुछ भाजपा की गलतियां हैं और कुछ कांग्रेस का अपना प्रयास है। भाजपा ने चुनाव शुरू होते ही पहला दांव गलत चल दिया। पार्टी ने उम्मीदवारों की जो पहली सूची जारी की उसमें वसुंधरा राजे के कई समर्थकों की टिकट काट दी। साथ ही सात सांसदों को विधानसभा की टिकट दे दी। वह भी ऐसी सीट से, जहां से भाजपा पहले जीती थी। इससे मैसेज बना कि भाजपा नए नेताओं को उतार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ेगी। लेकिन इसके बाद पार्टी अचानक पीछे हट गई और दूसरी सूची में वसुंधरा सहित उनके कई समर्थकों को टिकट दी गई। टिकट बंटवारे की गड़बड़ी और रणनीति के इस यू टर्न से भाजपा के बारे में पहला मैसेज सकारात्मक नहीं बना। इसके बाद चुनाव के अधबीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं के यहां केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी से यह मैसेज बना कि भाजपा हताशा में ऐसा कर रही है। कांग्रेस नेताओं के लिए सहानुभूति भी बनी। दूसरी ओर कांग्रेस ने इस बार आक्रामक तरीके से चुनाव लड़ने का फैसला किया। पहले कांग्रेस जब सत्ता में होती थी तब वह बहुत रूटीन के अंदाज में यह मान कर चुनाव लड़ती थी कि हारना ही है। इस बार बजट पेश करने के साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव का टोन सेट कर दिया। उन्होंने सरकार का खजाना खोल दिया। मुफ्त इलाज से लेकर मुफ्त बिजली और सस्ते सिलेंडर से लेकर महिलाओं के खाते में पैसे डालने तक तमाम तरह की लोक लुभावन योजनाओं की घोषणा कर दीं। कई योजनाएं शुरू भी हुई। चुनाव की घोषणा से दो दिन पहले राज्य में जाति गणना कराने का आदेश भी जारी कर दिया। हर विधायक के क्षेत्र में योजनाएं शुरू कीं और उनका शिलान्यास कराया। तभी राहुल गांधी 16 नवंबर को प्रचार के लिए पहुंचे तो उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आ गई तो वह कांग्रेस की शुरू की गई योजनाओं को बंद कर देगी। जाहिर है कि राहुल गांधी को यह फीडबैक मिली है कि अशोक गहलोत की योजनाओं की अपील लोगों में बनी है और वे उनको दोबारा चुनने के बारे में सोच सकते हैं। सो, गहलोत सरकार की योजनाएं और कांग्रेस की गारंटी के काम करने का भरोसा बना है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2023 का आगाज - मीडिया की स्वतंत्रता जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला है

लोकतंत्र की आधारशिला और चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर आज डिजिटाइजेशन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित प्रौद्योगिकी के बढ़ते नए-नए आयाम के बीच एक ओर जहां प्रिंट मीडिया के लिए चुनौतियां अति तेजी के साथ है बढ़कर उन्हें विलुप्तता की ओर धकेले जा रही है तो वहीं इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के लिए भी चुनौतियां खड़ी हो गई है। जहां एक और फेक न्यूज का प्रचलन बढ़ते हुए कठिनाइयां एवं पत्रकारों, संपादकों सहित मीडिया से जुड़े हर व्यक्ति के लिए परेशानियां खड़ी कर रही है, तो दूसरी ओर बढ़ती ग्राउंड रिपोर्टिंग से पारदर्शिता का स्तर ऊंचाइयां छू रहा है जिसमें पत्रकारों से लेकर मीडिया हाउसेस के मालिकों तक और शासकीय स्तर पर चपरासी से लेकर मंत्री तक तथा राजनीतिक स्तरपर कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री तक हर व्यक्ति आज मीडिया के घेरे में आ गया है, चाहे फिर प्रिंट इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया हो जिससे मीडिया हाउसों की जवाबदारियां फेक न्यूज के चलते बढ़ गई है, क्योंकि लोकतंत्र की आधारशिला और चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। चूंकि आज 16 नवंबर 2023 को अनेक स्थानों सहित दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय प्रेस दिवस बड़ी संजीदगी के साथ मनाया गया है इसलिए आज हम मीडिया पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे मीडिया के उच्चतम मानकों को बनाए रखनें तथ्यों विश्वसनीय स्रोतों, सत्यापन और संपादकीय स्वतंत्रता को बनाए रखना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम भारत में निर्भीक और स्वतंत्र जिम्मेदार पत्रकारिता की करें तो, इसके मुख्य कार्य लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा करना, समाज की गतिविधियों का आकलन करना, जनता की तकलीफों को शासन तक पहुंचाना, शासकीय, निष्क्रियता, भ्रष्टाचार, असहिष्णुता, गैर जिम्मेदारी को ऊजागार कर जनता के सामने रखना ताकि ऐसे शासकीय अधिकारियों, राजनेताओं को जनता सबक सिखाएं और जनता जनार्दन ही शासन व सत्ता की मालिक है ऐसा एहसास आए, इसलिए ही संपूर्ण भारत में दिनांक 16 नवंबर 2023 को राष्ट्रीय पत्रकारितादिवस बड़ीसंजीदगी के साथ मनाया गया।

साथियों बात अगर हम 16 नवंबर 2023 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में मनाए गए राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2023 के उद्घाटन सत्र में माननीय उपराष्ट्रपति के संबोधन की करें तो, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मीडिया को राजनीति का हिस्सा या हितधारक नहीं होना चाहिए, मीडिया को लोकतंत्र की ताकत होना चाहिए, कमजोरी नहीं। मीडिया को राजनीतिक भागीदारी से बचना चाहिए ताकि प्रगतिशील मीडिया हमारे लोकतंत्र में सच्चाई और जवाब देही का प्रतीक बना रहे।उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि फेक न्यूज शब्द जितना आज सुना जा रहा है उतना इससे पहले कभी नहीं सुना। मीडिया की कम होती विश्वसनीयता को सबसे बड़ी चुनौती बताया और सोशल मिडिया का भ्रामक खबरें फैलाने के उपयोग पर चिंता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि भारत के उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस, 2023 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और समारोह को

मीडिया के उच्चतम मानकों को बनाए रखनें तथ्यों, विश्वसनीय स्रोतों, सत्यापन और संपादकीय स्वतंत्रता को बनाए रखना समय की मांग - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि मीडिया का नैतिक कर्तव्य है कि वह सच बताए। उन्होंने कहा कि मीडिया से जुड़े हर व्यक्ति की यह जिम्मेदारी है कि वह समाज को सच बताए चाहे वह पत्रकार हो, अखबारों से जुड़ा हो या संचार माध्यमों से जुड़े लोग हों। उन्होंने कहा कि अविश्वसनीय और गलत खबरों ने समाज में मीडिया के विश्वास को कम किया है। आगे कहा कि हमें बदलते हुए समय के साथ बदलना होगा और अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी अपनाना होगा लेकिन इसके साथ ही उसके दुरुपयोग से भी अपना बचाव करना होगा।उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया संगठनों को पत्रकारिता की नैतिकता निष्पक्ष रिपोर्टिंग और तत्वों को जानने के जनता के अधिकार के प्रति अटूट समर्पण और अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए निष्पक्ष पत्रकारिता की वचनबद्धता को निभाना चाहिए ताकि जनता को सच का पता चल सके। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जिक्र करते हुए कहा कि मीडिया तकनीकी परिवर्तनो से और उनसे जुड़ी चुनौतियों से निपटने में हमेशा सक्षम रहा है, हाल की तकनीकी प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जीपीटी जैसे नवाचारों ने नई चुनौतियां पेश की हैं,इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना होगा।उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया सामायिक और बहुत ही महत्वपूर्ण है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने हमारे सूचना और मनोरंजन के तौर तरीकों को बदल दिया है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बनता चला जा रहा है। लोकतंत्र में मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया सूचना प्रदाता के साथ-साथ लोकतंत्र की आधारशिला रहा है और चौथे स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका अदा करता रहा है। मीडिया ने सच के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका अदा की है, मीडिया बेजुबानों की आवाज उठाने के लिए सदैव तत्पर रहा है और सत्ता में बैठे लोगों का निगरानी करता रहा है।उन्होंने कहा आज सूचना की भरमार है और ऐसे में पत्रकार और मीडिया घराने ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखें, तथ्यों और विश्वसनीय स्रोतों तथा सत्यापन और संपादकीय स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए आज यह पहले से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने मीडिया में गलत सूचना के प्रसार, डीप फेक, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और समाज में अराजकता और अस्थिरता पैदा करने जैसी चुनौतियों से निपटने पर जोर दिया। आगे कहा कि आज के परिपेक्ष में पत्रकारों और मीडिया के लोगों की जिम्मेदारियां और भी बढ़ गई हैं ।उपराष्ट्रपती ने किसी भी सूचना को प्रसारित करने से पहले मीडिया संगठन और मीडिया से जुड़े लोगों को अत्यंत सावधानी और सतर्कता बरतने को कहा जिससे समाज में झूठ का जहर न घुल सके।

साथियों बात अगर हम भारत में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाने को समझने की करें तो, भारत में प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। अगर प्रेस की ताकत को समझना हो तो अकबर इलाहाबादी की मशहूर पंक्तियां काफी कुछ बयां करती हैं. अकबर इलाहाबादी ने कहा है कि खींचो न कमान न तलवार निकालो जब तोप मुकाबिल हो तब अखबार निकालो। इन लाइनों से प्रेस की ताकत को अच्छे से समझा जा सकता है। आजादी के समय से लेकर अब तक भारत में प्रेस की बहुत बड़ी भूमिका रही है। आजादी की जंग के दौरान प्रेस भारत के क्रांतिकारियों का सबसे बड़ा हथियार रहा है। हर साल भारत में 16 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है, लेकिन इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए 16 दिसंबर की तारीख को ही क्यों चुना गया? भारत में राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पत्रकारिता के ऊंचे आदर्श स्थापित करने व प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने के उद्देश्य से 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की गई थी। लेकिन इस परिषद ने 16 दिसंबर 1966 से विधिवत तरीके से काम करना शुरू किया था, इस कारण हर साल 16 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रेस डे मनाया जाता है।भारतीय प्रेस परिषद याने प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया एक वैधानिक निकाय है, जिसे मीडिया के संचालन की निगरानी का अधिकार मिला है। इसके एक अध्यक्ष होते हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज होते हैं। इसके अलावा 28 अन्य सदस्य होते हैं, जिनमें से 20 प्रेस से होते हैं, पांच संसद के दोनों सदनों से नामित होते हैं और तीन प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत में प्रेस को वॉच डॉग और भारतीय प्रेस परिषद को मोरल वॉच डॉग कहा जाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2023 का आगाज - मीडिया की स्वतंत्रता जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला है।लोकतंत्र की आधारशिला और चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका।मीडिया के उच्चतम मानकों को बनाए रखनें तथ्यों, विश्वसनीय स्रोतों, सत्यापन और संपादकीय स्वतंत्रता को बनाए रखना समय की मांग है।

-संकलनकर्ता लेखक -
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा भेजे जा रहे बिल बढ़ोतरी को लेकर शहर के रहिवासियों का हो गया है जीना दूभर

शहर वासियों का कहना है कि आखिर कब टोरेंट (ईस्ट इंडिया कंपनी) से मिलेगी राहत, क्या बलिदान देने के बाद ही आजादी मिलेगी टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी से

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। मार्च 2020 में जब से मुंब्रा कलवा दिवा मैं टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा प्रवेश किया गया है तब से विवादों में ही रहा है हर राजनीतिक पार्टी द्वारा टोरेंट पावर कंपनी का विरोधी किया गया था और किया जा रहा है टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के बढ़ते बिल को लेकर शहर वासियों का जीना दूभर हो गया है किराए के घर की मार और ऊपर से प्रति महीना टोरेंट पावर कंपनी की तरफ से भेजा हुआ बढ़ोतरी बिल की मार से शहर वासी बुरी तरह से परेशान हो गए उस पर से किसी प्रकार की कोई भी सुनवाई टोरेंट पावर की तरफ से नहीं की जा रही है शहर वासियों की शिकायत है कि पहले एमएसईबी के लगे हुए मीटर में इतना बिल नहीं आता था लेकिन जब से टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा बिना परवानगी के जबरन मीटर बदली किए गए हैं उसके बाद से ही बिल बढ़कर आ रहा है जिस मकान का 800/-रुपए प्रति महीने का बिल एमएसईबी के समय आया करता था टोरेंट के मीटर लगने के बाद 1500 से 2000 रुपए तक प्रति महीने का बिल आ रहा है जिसके बाद टोरेंट पावर कंपनी में शिकायत करने पर उनके कर्मचारियों द्वारा यह जवाब दिया जाता है कि तुम्हारा वापर ज्यादा है तुम्हारा फ्रिज, टीवी, और इत्यादि घर में उपयोग होने वाली बिजली उपकरण ज्यादा मात्रा में खपत लेते हैं उसी के चलते आपका बिल ज्यादा आ रहा है और अगर आपको यकीन नहीं आ रहा है तो आप मीटर की जांच 200 रुपए में भरकर कराले यह नियम एमईआरसी की तरफ से उपभोक्ताओं के लिए लागू किए गए है किस कदर शहर वासियों के साथ में सौतेला व्यवहार करते हुए तकनीकी कारण बताकर दुगना तिगना बिल ब्याज के साथ में वसूला जा रहा है आखिर कब मुंब्रा शहर वासियों को टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा भेजे जा रहे दुगना तिगना बिल से राहत मिलेगी यह तो भगवान ही जाने लेकिन शहर में चचाओं का बाजार टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में बेहद गरमाया है जहां पर देखो बस यही एक चर्चा है आखिर कब टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा भेजे जा रहे बिल की मार से शहर वासियों को राहत मिलेगी गौरतलब बात तो यह है एक और टोरेंट पावर जिन ग्राहकों के मीटर लगे हैं और जो इमानदारी से अपना पेट काटकर बिल भर रहे हैं उनको दुगना तिगना बिल भेज रही है और वह मजबूरी में भर भी रहे हैं लेकिन कई सैकड़ो की संख्या में इमारतें ऐसी हैं जहां पर अवैध तरीके से बिजली का वापर किया जा रहा है उन इमारतों में टोरेंट पावर की तरफ से ना मीटर दिया जा रहा है और ना कार्रवाई की जा रही है शिकायत के बावजूद भी टोरेंट पावर कंपनी अनदेखा कर रही है लेकिन जो लोग बिल ईमानदारी से अपना पेट काटकर मजबूरी में बिल भर रहे हैं उनका खून चूस रही है।

समाजवादी पार्टी के नए निर्वाचित कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल मन्नान शेख का किया गया सत्कार

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। समाजवादी पार्टी की ओर से कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष पद पर अब्दुल मन्नान शेख की नियुक्ति की गई है जिसके बाद सपाइयों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है जिसके चलते पार्टी कार्यालय पर अब्दुल मन्नान शेख का सत्कार किया गया इस सत्कार कार्यक्रम में आदिल टीचर, रियाज अहमद मंसूरी, असद खान,मौलाना कमालुद्दीन, तुफैल खान, अनवर अली अंसारी, वसीम खान आदि की तरफ से सत्कार समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें भारी संख्या

में कार्यकर्ता और पदाधिकारी समेत उनके चाहने वालों की उपस्थिति देखी गई लोगों ने अब्दुल मन्नान शेख को दिली मुबारकबाद पेश की और पुष्प गुच्छ देकर उनका सत्कार किया इसमें जेबा फाल्के, नूर अहमदी, रजिया पठान, नाजनीन चौधरी, फरीना कुरैशी, के साथ रविंद्र यादव, कमरुद्दीन कलवा, अनवर अली, नासिर खान सर, इम्तियाज काजी, जमालुद्दीन, शाबान अली, काफील सर,अबुल जैश सर, शकील सर, इरशाद अहमद, ताबिश खान, नोफिल आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

दिवाली की शुभ पर्व पर एन.के.टी संस्था द्वारा जरूरतमंदो को वितरण की गई मिठाइयां

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। बीते हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुंब्रा देवी सेवा मंडल के सहयोग से एन.के.टी संस्था (ठाणेवाला) की ओर से मुंब्रा देवी सेवा मंडल द्वारा मुंब्रा कौसा विभाग में गरीब जरूरतमंद महिलाओं और छोटे बच्चों को दिवाली और भाऊबीज के अवसर पर साड़ियां, मिठाई, पेन,किचेन, शर्ट,कपड़े वितरित किए गए इस अवसर पर मुंब्रा देवी सेवा मंडल के अध्यक्ष कांतिलाल वाघमारे, ओम प्रकाश पासी, संगीता वाघमारे, श्रीमती अनुसया कांबळे, सूरज (बुवा), हनमाने, नयन (छोटू) वाघमारे, इरफान मोबाइल इस वितरण कार्यक्रम मैं उपस्थित थे एन.के.टी (ठाणे वाला) संस्था की ओर से बीते पंद्रे से बीस वर्षों से जन सेवा ही खरी ईश्वर सेवा है जिसके चलते गरीब और जरूरतमंदों के लिए कार्यान्वित किया गया है इससे पहले दो सौ से तीन सौ जरूरतमंद महिलाओं और स्कूली बच्चों को लाभ हुआ इस अवसर पर मुंब्रा देवी सेवा मंडल की ओर से दिपावली की शुभकामनाएं देने के लिए एन. के. टी (ठाणे वाला) को धन्यवाद दिया गया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

इस फैसले के बाद यह बात सामने आई है कि 642 कोर्सेज के लिए 1 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान करना होगा। महाराष्ट्र में हाल में एक युवती ने बड़ा फैसला लिया था। फीस के लिए पैसे न होने के कारण इस युवती ने अपनी जिंदगी खत्म करने का बड़ा फैसला लिया था। उसने एक सुसाइड नोट लिखा था, सरकार मेरी फीस का 50 फीसदी हिस्सा दे रही है। मैं इसके लिए सरकार को धन्यवाद देती हूं, लेकिन मेरे माता-पिता के पास फीस का शेष 50 प्रतिशत भुगतान करने के लिए पैसे नहीं हैं। इस घटना ने मुख्यमंत्री के मन को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना के चलते मुख्यमंत्री ने राज्य में ओबीसी और आर्थिक रूप से पिछड़ी लड़कियों की 100 फीसदी फीस माफी का प्रस्ताव देने को कहा है। बताया गया है कि यह प्रस्ताव जल्द ही दिया जाएगा। इस बीच, आज कैबिनेट की मराठा आरक्षण उपसमिति की अहम बैठक हुई है। इस अवसर पर चंद्रकांत पाटिल ने मराठा समुदाय के छात्रों के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

आदित्य ठाकरे पर दर्ज हुई एफआईआर

घटना 16 नवंबर की है जब पूर्व सीएम के बेटे पार्टी नेताओं के साथ ब्रिज के उद्घाटन में पहुंचे थे। इसके एक दिन बाद 17 नवंबर को बीएमसी ने जानकारी मिलने के बाद मुंबई के एनएम जोशी पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत की। बीएमसी की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया। रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बीएमसी के अधिकारी पुलिस स्टेशन में ही मौजूद थे। बीएमसी ने अपनी शिकायत में कहा कि विधायक आदित्य ठाकरे और विधान परिषद विधायक सुनील शिंदे, सचिन अहिर, पूर्व महापौर किशोरीताई पेडणेकर, पूर्व महापौर स्नेहल आंबेकर सहित 15 से 20 अज्ञात लोगों ने गैर कानूनी तरीके से महानगरपालिका आयुक्त बृहन्मुंबई की इजाजत के बिना अधूरे लोअर परेल ब्रिज का उद्घाटन किया। इसके लिए एसीक भवन के पास लगे बॅरिगेट हटाए गए। ब्रिज पर अतिक्रमन करके उसे ट्रैफिक के लिए खोल दिया। एफआईआर में लिखा गया है की ये ब्रिज खोलने से ट्रैफिक की आवाजाही शुरू हो गई लेकिन अधूरे काम की वजह से लोगों की जान को खतरा हो सकता है। इसलिए बीएमसी की तरफ से एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

सास के घर नहीं, जेल में खाई है दो साल रोटी

जरांगे ने आरोप लगाया कि वे राज्य में माहौल खराब करना चाहते हैं। उन्होंने यह कहकर बात खत्म कर दी कि मराठा समाज अब भुजबलों को महत्व नहीं देता। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से भुजबल और जरांगे पाटिल के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। भुजबल ने कहा कि मराठा आरक्षण को लेकर पहले भी आंदोलन हुआ। खत्री आयोग। बापट आयोग सराफा आयोग और कई लेकिन सभी ने अंत मे कहा कि नही दे सकते है। इसमें हमारा क्या दोष है। हमको तो संविधान ने दिया। बाबा साहब ने दिया। मंडल कमीशन ने दिया। भुजबल ने जरांगे पर हमला बोलते हुए कहा कि वह कहते हैं कि ये भुजबल दो साल जेल की रोटी खाकर आया है, हां ठीक है, मैं जेल की रोटी खाकर आया हूं, भुजबल दीवाली में भी कांदा रोटी खाता हूं। तेरी तरह सास के घर और टुकड़े नही तोड़ता हूं। छगन भुजबल ने आरक्षण मुद्दे पर मनोज जरांगे पाटिल पर हमला बोला। उन्होंने आरक्षण का इतिहास भी बताया। क्या तुम खा रहे हो? ऐसा सवाल छगन भुजबल ने पूछा। छगन भुजबल ने हमला बोलते हुए कहा कि ये उनके दिमाग से बाहर की बात है। उन्होंने कहा कि 6 जून 1993 को इसी जालना में महात्मा फुले समता परिषद के लाखों लोगों की रैली हुई थी। उस समय शरद पवार मुख्यमंत्री थे। रैली में थे सीताराम केसरी। विलासराव देशमुख थे। सभी थे। उस समय हमने मंडल कमीशन लागू करने की मांग की थी।

बीएमसी ने तैनात किए 3 हजार 117 कर्मी

इस टीम द्वारा जांच के दौरान पाए गए नए रोगियों का पंजीयन किया जाएगा। इन मरीजों को बीएमसी के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों, क्लीनिकों और अस्पतालों में भर्ती कराया जाएगा। इसके बाद आगे की स्वास्थ्य जांच और इलाज निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। बीएमसी के सभी 24 डिवीजनों में 28 सीबीएनएएटी चिकित्सा प्रयोगशालाओं में संचालित 42 सीबीएनएएटी मशीनों के माध्यम से टीबी रोगियों को सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं। मुंबई में टीबी रोगियों के लिए 211 स्वास्थ्य केंद्र और 186 क्लीनिक, 16 सामान्य अस्पताल, 5 मेडिकल कॉलेज और 200 निजी क्लीनिक काम कर रहे हैं। मल्टी ड्रग प्रतिरोधी टीबी रोगियों के लिए पूरे मुंबई में 27 डीआर टीबी उपचार केंद्र हैं। इनमें से 7 डीआर टीबी उपचार केंद्र निजी हैं। केंद्रीय टीबी रोग विभाग के माध्यम से मरीजों के बैंक खाते में 500 रुपए प्रति महीने जमा किए जाते हैं।

आरबीआई ने इस संबंध में जारी की अधिसूचना

बैंकों को निर्यात राशि के लिए अतिरिक्त चालू खाता खोलने की मिली अनुमति

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निर्यातकों को परिचालन के स्तर पर चीजें सुगम बनाने को लेकर निर्यात से प्राप्त राशि के लिये रुपये में विशेष वोस्ट्रो खाते के अलावा अतिरिक्त चालू खाता खोलने की शुक्रवार को अनुमति दी।

आरबीआई ने एक अधिसूचना में कहा कि 11 जुलाई, 2022 के केंद्रीय बैंक परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता रखने वाले बैंकों को अपने निर्यात लेनदेन के निपटान को लेकर एक अतिरिक्त विशेष चालू खाता खोलने की अनुमति है।

रुपए में वैश्विक समुदाय की बढ़ी रूचि

निर्यातकों के लिए परिचालन के मोर्चे पर चीजें सुगम बनाने को यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय बैंक ने जुलाई, 2022 में घरेलू मुद्रा में वैश्विक समुदाय की बढ़ती रुचि को देखते हुए बैंकों से भारतीय रुपये में निर्यात और आयात लेनदेन के लिये अतिरिक्त व्यवस्था करने को कहा था।

भारतीय रुपए में निर्यात और आयात लेनदेन की होगी व्यवस्था

भारत से निर्यात पर जोर

अधिसूचना में कहा गया है, 'भारत से निर्यात पर जोर देने के साथ वैश्विक व्यापार की वृद्धि को बढ़ावा देने और भारतीय रुपये में वैश्विक व्यापारिक समुदाय की बढ़ती रुचि को देखते हुए निर्यात/आयात बिल, भुगतान और निपटान के लिये एक अतिरिक्त व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है।'

- निर्यात राशि के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते की अनुमति
- परिचालन के मोर्चे पर चीजें सुगम बनाने उठाया कदम

भारत रुपए में व्यापार को बढ़ावा दे रहा

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद भारत रुपये में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। आरबीआई ने जुलाई, 2022 में रुपये में भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के निपटान की अनुमति देने का निर्णय लिया। इसके तहत, अधिकृत भारतीय बैंकों को भागीदार व्यापारिक देश के बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते खोलने की अनुमति दी गयी।

ई-कॉमर्स उद्योग की निर्यात के लिए एफडीआई की मांगी

नई दिल्ली। विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने शुक्रवार को कहा कि ई-कॉमर्स उद्योग ने सरकार को केवल निर्यात मकसद से ऑनलाइन कारोबार के 'इन्वेंट्री' यानी माल भंडार आधारित मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने का सुझाव दिया है। 'इन्वेंट्री' आधारित मॉडल में ऑनलाइन कामकाज करने वाली कंपनियां स्वयं अपना सामान रखती हैं और उसे सीधे ग्राहकों को बेचती हैं। देश की मौजूदा एफडीआई नीति के तहत ई-कॉमर्स के 'इन्वेंट्री-आधारित मॉडल' में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति नहीं है। इसकी अनुमति केवल उन कंपनियों में है जो 'मार्केट प्लेस' मॉडल के माध्यम से काम कर रही हैं।

निर्यात को बढ़ावा देने कई स्तर पर काम: सारंगी ने कहा कि सरकार ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कई स्तरों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स से जुड़े विभिन्न पक्षों ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से इस संदर्भ में एफडीआई नीति पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है।

नियमों पर दोबार विचार का अनुरोध : विदेश व्यापार महानिदेशक ने उद्योग मंडल फिक्की के ई-कॉमर्स विषय पर आयोजित सम्मेलन में कहा, 'अगर निर्यात उद्देश्यों के लिये इन नियमों पर दोबारा गौर किया जा सकता है, तो हम डीपीआईआईटी से इसपर विचार करने का अनुरोध कर रहे हैं। यह ई-कॉमर्स निर्यात क्षेत्र बनाने को लेकर महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका में बाइडेन से मिले

जो देश पर्यावरण क्षरण के प्रति सचेत नहीं थे, वे ही सबसे ज्यादा प्रभावित

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के पीएम मोदी और भारत के लोगों के लिए संदेश पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जब मैं बाइडेन से मिला तो उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया कि जो देश पर्यावरण क्षरण रोकने के प्रति जिम्मेदार नहीं थे, वही देश सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। गोयल ने कहा यह एक बहुत बड़ा संदेश है।

प्रधानमंत्री मोदी और भारत विभिन्न विश्व मंचों पर जो कहते रहे हैं, उसका बहुत बड़ा समर्थन है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जलवायु मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी का निरंतर रुख दुनिया के साथ मेल खाता है और भारत और अमेरिका ने मिलकर काम करने का संकल्प लिया है। हमने आज एक नया फंड लॉन्च किया है, जहां दोनों देशों की सरकारें सक्रिय रूप से योगदान देने जा रही हैं और हमें उम्मीद है कि यह पूंजी के बड़े पूल के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा, जो अब भारत में निवेश पर ध्यान केंद्रित करेगा।

विश्व स्तर पर भारत की स्थिति काफी बदली

हिंद-प्रशांत आर्थिक रूपरेखा की बैठक पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विश्व के नेताओं के साथ अपनी सभी बातचीत में मैंने एक बात देखी कि वे भारत के साथ अधिक जुड़ाव को लेकर बहुत उत्सुक हैं। वे भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में बहुत सम्मान में रखते हैं जिसकी आवाज मायने रखती है। विश्व स्तर पर भारत की स्थिति काफी बदल गई है।

सभी को होना होगा सक्रिय

भारत को एपेक का हिस्सा बनाने के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'हमने ऐसा कोई फैसला नहीं किया है और न ही इस बारे में कोई बातचीत हुई है। हम दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर जगह कैसे बना सकते हैं। अपने बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य छोड़ सकते हैं।

टेस्ला को 1.9 बिलियन डॉलर का निर्यात

कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में टेस्ला की विनिर्माण सुविधा के अपने दौरे पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मैं इलेक्ट्रिक वाहन कारखाने को देखने के लिए भी बहुत उत्सुक था। इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में भागों और घटकों के माध्यम से पिछले साल भारत ने करीब एक अरब डॉलर के सामान का निर्यात किया था। इस साल भारत से टेस्ला को 1.9 बिलियन डॉलर का निर्यात लगभग दोगुना हो जाएगा। भारत वास्तव में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों, स्पेयर पार्ट्स, ऑटो घटकों का उत्पादन कर रहा है।

हिना शहाब बेदारी कारवां के 18वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने 28 नवंबर को पहुंचेंगी दरभंगा

कौमी एकता कॉन्फ्रेंस को करेंगी संबोधित

मुंबई हलचल / संवाददाता

मधुबनी। आगामी 28 नवंबर, 2023 (मंगलवार) को संध्या 5 बजे से दरभंगा के मुरिया हाट मैदान में ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के होने वाले 18वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सिवान के विकास पुरुष सांसद और हरदिल अजीज नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब मिथिलाँचल की पावन धरती पर पधार रही हैं। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता सैफुल इस्लाम ने बताया के सामाजिक संगठन, आम जनता की आवाज, गरीब, दलित, शोषित पिछड़ा और मजलूमों की लड़ाई लड़ने वाला ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां अपना 18वां स्थापना दिवस दरभंगा ग्रामीण के मुरिया हाट मैदान में मनाने जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेदारी कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम करेंगे। इस अवसर पर 'कौमी एकता कॉन्फ्रेंस और कवि सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया जा रहा। कार्यक्रम में सिवान से सड़क के रास्ते मोहतरमा हिना शहाब साहिबा मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत कर रही हैं। उनके साथ पूरा काफिला होगा। कान्फ्रेंस की तैयारी चल रही है। बिहार के कोने कोने से लोग इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी नेता हिना शहाब को सुनेंगे साथ ही बेदारी कारवां के द्वारा किए जा रहे कार्य को भी सुनेंगे, जानेंगे और जुड़कर संगठन को और मजबूत बनाएंगे। कवि सम्मेलन में देश भर के मशहूर कवि एवं कवित्रिगण भी उपस्थित होंगे।

चीन ने की सबसे तेज इंटरनेट सर्विस लांच, 1.2 टेराबिट की स्पीड

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

चाइनीज टेक कंपनी हुआवेई टेक्नोलॉजीज ने दुनिया की सबसे तेज इंटरनेट सर्विस लांच की है। कंपनी का दावा है कि उनका नेटवर्क 1.2 टेराबिट (टीबी) प्रति सेकेंड की स्पीड से डेटा ट्रांसमिट करने में सक्षम है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, हुआवेई टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट वांग लेई ने बताया कि इस नेटवर्क से सिर्फ एक सेकेंड में 150 हाई-डेफिनेशन (एचडी) फिल्मों के बराबर डेटा ट्रांसमिट कर सकता है। इसके अलावा यह नेटफ्लिक्स की सभी ग्लोबल कॉन्टेंट भेज सकता है। बता दें कि 1टीबी में 1024जीबी होते हैं।

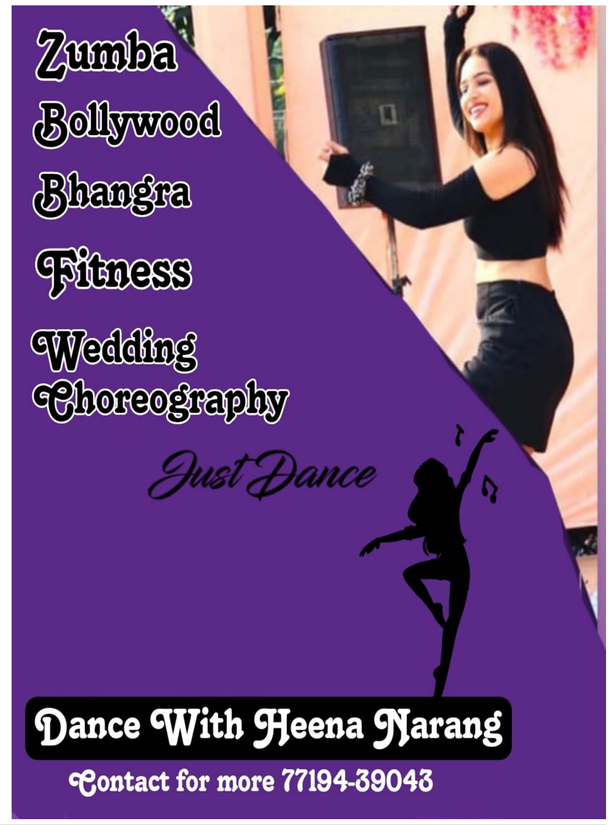

- सिर्फ एक सेकेंड में 150 हाई-डेफिनेशन फिल्मों का डेटा ट्रांसमिट कर सकता है

कई कंपनियों ने मिलकर किया काम : कंपनी ने इसे टेस्टिंग के लिए जुलाई में एक्टिव किया था और अब इसे ऑफिशियल तौर पर लांच किया है। नेटवर्क ने सभी ऑपरेशनल टेस्ट को पार कर लिया है। इस सक्सेस के लिए सिंघुआ विश्वविद्यालय, चाइना मोबाइल, हुआवेई टेक्नोलॉजीज और सेर्नेट कॉर्पोरेशन ने मिलकर काम किया है।

अमेरिका और द. कोरिया से 10 गुना ज्यादा तेज

कंपनी ने दुनिया की पहली नेक्स्ट जनरेशन फाइबर इंटरनेट सर्विस शुरू की है। इसकी स्पीड अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 10 गुना ज्यादा बताई गई है। 3000 किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबलिंग में फैला यह नया बैकबोन नेटवर्क 1.2 टेराबिट्स (1,200 गीगाबिट्स) प्रति सेकंड पर डेटा ट्रांसमिट करता है। यह नेटवर्क उत्तर में बीजिंग, मध्य चीन में वुहान और दक्षिणी प्रांत गुआंग्डोंग में गुआंगजौ को जोड़ता है।

सबसे तेज डेटा ट्रांसफर का रिकॉर्ड जापान के नाम

हालांकि, दुनिया में सबसे तेज डेटा ट्रांसफर का रिकॉर्ड जापान के नाम है। यहां के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी की लैब में हुई टेस्टिंग के दौरान इंटरनेट की स्पीड 319 टेराबाइट्स (टीबी) प्रति सेकेंड आई थी। इससे पहले बीते साल इसी तरह के एक टेस्ट में ये स्पीड 178 टेराबाइट (टीबी) प्रति सेकेंड आई थी। इस स्पीड से एक सेकेंड में 57,000 फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं।

दुनिया में अधिकतर जगह 100 जीबी/एस की स्पीड

इंडस्ट्री के कई एक्सपर्ट्स ने 2025 के आसपास 1 टेराबिट प्रति सेकेंड अल्ट्रा-हाई-स्पीड नेटवर्क के लांच होने का अनुमान लगाया था। दुनिया के अधिकांश इंटरनेट बैकबोन नेटवर्क वर्तमान में 100 गीगाबिट प्रति सेकेंड पर काम करते हैं, अमेरिका ने हाल ही में इसे शुरू किया है। चाइनीज एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग से एफआईटीआई प्रोजेक्ट लीडर वू जियानपिंग ने बताया कि सुपरफास्ट लाइन न सिर्फ सक्सेसफुली ओपरेट हुई है, बल्कि चीन और भी तेज इंटरनेट बनाने के लिए काम कर रहा है।

कर्तव्य निर्वहन के दौरान खुद की भी समस्याओं से जूझती यूपी पुलिस

कानपुर। यहां लगभग 6 माह के सफल कार्यकाल के बाद आगरा स्थानांतरण होने पर इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार दुबे को थाना गोविंद नगर में बहुत भावभीनी बिदाई दी। इस बीच उन्होंने कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में पुलिस विभाग में सकुशल नौकरी के गुरु मंत्र भी बताए। स्वरूप नगर, फजलगंज, कल्याणपुर के बाद गोविंद नगर में भी लगभग 6 माह के सफल कार्यकाल के बाद चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट आगरा स्थानांतरित किए गए इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार दुबे को यह भावभीनी विदाई कार्यवाहक थाना प्रभारी इंस्पेक्टर माधव प्रसाद तिवारी की अगुवाई में गोविंद नगर के वरिष्ठ उप निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर भूटान सिंह, चौकी प्रभारी गीता सिंह, अरुण कुमार राठी, सतपाल सिंह, अनलेश सिंह, सौरभ सिंह सब इंस्पेक्टर प्रवीण दिलवालिया, विनोद कुमार प्रथम, गौरव कुमार, पवन कुमार, अंकुर मलिक, कांस्टेबल सुधीर कुमार, विनय पाण्डेय ,विकास पंडित, ज्ञानेन्द्र चौरसिया, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार और संजय वर्मा आदि ने दी।

जहां तक किसी के भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण का सवाल है। इसका भी अपना आध्यात्मिक पक्ष है, जिसके मुताबिक स्थानांतरण के रूप में आपके कदम धरती के उस स्थान पर भी पड़ते हैं, जहां जन्म के बाद पहले कभी नहीं पड़े होते और

उन लोगों से भी मुलाकात होती है ,जिनसे पहले कभी नहीं मिले होते। कहने का आशय यह कि जैसे जन्म तय है। मृत्यु तय है। ठीक वैसे ही जन्म और मृत्यु के बीच वाले काल खण्ड यानी जीवन समय के अनुरूप यह भी तय है कि कौन, कब, कहां पर, कब तक ,किसके साथ और संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में अपनी क्या भूमिका अदा करेगा।

इस आध्यात्मिक दृष्टिकोण मुताबिक अगर कोई पीड़ित और दुखी व्यक्ति सहायता के लिए आता है तो इसका मतलब है कि उसके रूप में परमेश्वर ही हमारी, आपकी या किसी की भी सक्षमता और संपन्नता की परीक्षा लेने आया है और इसमें आपके आगे का जीवन मार्ग सुखमय होगा या दुखमय इसका भी निर्णय उस पीड़ित और दुखी व्यक्ति की दुआएं या बददुआएं करती हैं ,जो आपके पास सहायता के लिए आता है, क्योंकि किसी के प्रति भी दुआओं और बददुआओं के रूप में बोले गए शब्द कभी नष्ट नहीं होते। और अगर होते तो हमारी या किसी की भी मोबाइल से बात नहीं होती और ना ही वायरलेस जैसे यंत्र इसका प्रमाण बनते। क्योंकि अजर, अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से बने वाक्य ही लिखने, पढ़ने और बोलने के रुप में ही इस संसार का संचालन करते हैं। मतलब अगर कुछ लिखा न जाए, पढ़ा ना जाए या आदेशात्मक रूप में कुछ कहा या बोला ना जाए तो इस संसार का संचालन हो ही नहीं सकता।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

महिला की हत्या से जुड़े ब्लाइंड मर्डर केस की आखिरकार सुलझी गुत्थी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

हरिद्वार। चंडी देवी मंदिर के जंगल में महिला की हत्या से जुड़े ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी को पुलिस ने आखिरकार सुलझा लिया। महिला बागपत की निवासी थी और प्रेमी से शादी करने के लिए वह मुस्लिम से हिंदू बनी थी। बेवफाई से आहत होकर बदांयू निवासी प्रेमी ने ही उसकी हत्या की थी। पुलिस ने करीब दो हजार लोगों से पूछताछ और 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरें खंगालने के बाद आरोपित प्रेमी को ढूंढ निकाला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने गुरुवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर हत्याकांड का पदार्फाश किया। पुलिस टीम को आईजी गढ़वाल करन सिंह नाग्नयाल ने 10 हजार और एसएसपी ने पांच हजार का इनाम दिया है। एसएसपी प्रमेंद्र

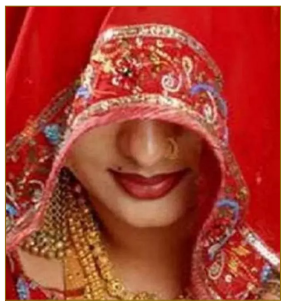

डोबाल ने बताया कि बीते नौ नवंबर को चंडीदेवी रोपवे मार्ग से कुछ दूरी पहले पैदल मार्ग से सटे जंगल में एक महिला का शव बरामद हुआ था। शुरूआती पड़ताल में गला दबाकर हत्या की बात सामने आई थी। 72 घंटे के भीतर शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार कराया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की बात सामने आने पर चौकी प्रभारी अशोक रावत की तरफ से अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। सीओ सिटी जूही मनराल के नेतृत्व में श्यामपुर थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने टीमों को साथ लेकर महिला की शिनाख्त और हत्यारोपित की तलाश में पूरी ताकत लगा दी। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि रोशनाबाद क्षेत्र से गिरफ्तार किए महिला के प्रेमी अजय निवासी सुंदरपुर बदायूं उत्तर प्रदेश की मुलाकात सात साल पहले अफसाना बानो निवासी गडरिया, हरिया खेड़ी बागपत उत्तर प्रदेश से हुई थी। दोस्ती के बाद प्यार होने पर अजय उसे अपने गांव सुंदरपुर, बदायूं ले गया। जहां पर दोनों ने शादी कर ली और अफसाना बानो ने अपना नाम बदलकर पूजा रख लिया। कुछ दिन बाद अफसाना उर्फ पूजा अपना कोई रिश्तेदार झारखंड में बता कर बहाने से चली गई। दोनों का संपर्क टूटने पर अजय वापस हरिद्वार आकर मजदूरी करने लगा। साथियों ने उसे बताया कि पूजा किसी दूसरे लड़के के साथ रह रही है। उसने अफसाना उर्फ पूजा को ढूंढ निकाला और दोनों साथ रहने लगे। कुछ दिन बाद वह फिर से अजय को छोड़कर चली गई। तब अजय ने उसे रास्ते से हटाने का प्लान बनाया और आठ नवंबर को चंडी मंदिर के जंगल में ले गया। चुन्नी से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। आरोपित को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। कान्फ्रेंस में एसपी क्राइम अजय गणपति, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार, थानाध्यक्ष नितेश शर्मा सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

सुरंग में ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन में आई तकनीकी खराबी, पाइप डालने का काम बंद

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों बाहर निकालने के लिए जारी रेस्क्यू कार्य रोक दिया गया है। एनएचआईडीएसीएल के निदेशक डा अंशु मनीष खलको ने शाम को पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि सुरंग के अन्दर मशीन के वाइब्रेशन के कारण रेस्क्यू कार्य रोका गया है, ताकि मलबा और न गिरे। मशीन को रेस्ट देने के लिहाज से भी काम रोका गया है। हालांकि, मशीन में तकनीकी खराबी भी रेस्क्यू कार्य में बाधा बताई जा रही है। जिस कारण अब रेस्क्यू कार्य कल शनिवार शुरू होने

की आंशका है। अधिकारियों के मुताबिक अभी तक सिर्फ 22 मीटर पाइप ही पुश किए गए हैं। इस बीच बैकअप के तौर पर एक और मशीन भी इंदौर से एयरलिफ्ट से मंगवाई गई है। जो शनिवार सुबह तक सिलक्यारा पहुंचाई जायेगी। ऐसा एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों ने बताया है।

रेस्क्यू कार्य में लगातार हो रही देरी से अंदर फंसे मजदूरों की मुश्किल बढ़ती जा रही है। मौके पर डीएम अभिषेक रूहेला और एसपी अर्पण यदुवंशी भी लगातार रेस्क्यू कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार के स्तर से भी रेस्क्यू ऑपरेशन की रखी जा रही निरन्तर निगरानी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय देहरादून स्थित आपदा नियंत्रण कार्यालय में उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक कर अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए...बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सिल्क्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की मौजूदा स्थिति और टनल में फंसे श्रमिकों की कुशलक्षेम की जानकारी ली। वहीं अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने बताया कि रेस्क्यू कार्यों में लगी सभी टेक्निकल एंजेसियों को शासन-प्रशासन और अधिकारियों द्वारा सभी आवश्यक सहयोग एवं सहायता ससमय उपलब्ध करवायी जानी चाहिए। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव कार्यों में लगी एंजेसियों और जिलाधिकारी उत्तरकाशी से निरन्तर अपडेट ले रहे हैं और कमिशनर गढ़वाल एवं आईजी गढ़वाल के निरन्तर सम्पर्क में हैं। मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हुई केंद्रीय एजेंसियों की टीम की हौसला अफजाई की है। केन्द्र सरकार के स्तर से भी रेस्क्यू ऑपरेशन की निरन्तर निगरानी की जा रही है और राज्य सरकार को पूरा सहयोग मिल रहा है।

सीएम धामी ने किया मिलेट बेकरी आउटलेट का उद्घाटन

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सचिवालय में मिलेट बेकरी आउटलेट का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा मोटे अनाजों पर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मिलेट बेकरी आउटलेट खोला गया है।सीएम ने कहा कि राज्य में ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर मंडुआ, झंगोरा, ज्वार, चौलाई का उत्पादन किया जा रहा है। प्रोडक्ट तैयार करने के लिए देहरादून के रायपुर ब्लॉक और पौड़ी के पौड़ी ब्लॉक में दो मिलेट उत्पादों की बेकरी प्रारम्भ की गई है। इससे बिस्किट, ब्रेड तथा पिज्जा बेस सहित अन्य उत्पाद तैयार किए जा रहें है। सीएम ने कहा कि वर्ष 2025 तक सवा लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 40,270 महिलाएं लखपति दीदी बनाई जा चुकी है। चयनित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को विशेषज्ञों के माध्यम से बेकरी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है।

ओखलकांडा में अनियंत्रित मैक्स गहरी खाई में गिरी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

नैनिताल। पहाड़ों में लगातार सड़क दुर्घटनाओं के बाद आज सुबह फिर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। ओखलकांडा में आज एक मैक्स अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी जिसमें 10 से अधिक लोग सवार थे। मैक्स कार अधौडा.से हल्द्वानी को आ रही थी जिसमें 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया जिनको हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। शुक्रवार सुबह अधौडा.से हल्द्वानी को आ रही थी और अनियंत्रित होकर 800 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में घायलों को एबुलेंस की मदद से हल्द्वानी हायर सेंटर रेफर किया गया। घायलों को स्थानीय लोग रेस्क्यू कर सड़क तक पहुंचा रहे हैं। वहीं पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचा है और रेस्क्यू अभियान में जुटा हुआ है।

आज लगेगा राजधानी में रोजगार मेला

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। प्रदेश सरकार द्वारा रोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम किया जा रहा है इसी क्रम में आज राजधानी देहरादून के सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है जिला सेवायोजन अधिकारी अजय सिंह ने बताया कि इस बार रोजगार मेले में 7 सेक्टर की 40 कंपनियां प्रतिभा करेंगी जिसमें 1371 पदों के लिए अभ्यर्थियों से संपर्क किया गया है इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जो भी अभ्यार्थी रोजगार मेले में प्रतिभा करना चाहते हैं वह रोजगार प्रयास पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

‘इंटरनेट से दूरी क्यूँ बना रही महिलाएं’

दुनियाँ भर के काम काज से फुर्सत होकर महिलाएं अकेले में अपने लिए कुछ समय चुराना चाहती है अपने मन की लिखना चाहती हैं। अपने मानसिक तनाव को वह लिखकर हल्का करना चाहती हैं। लेकिन इंटरनेट में हो रहे दुर्व्यवहार के कारण भी महिलाएं इंटरनेट से दूरी बनाने लगी है। इसकी मूल वजह या तो घर के पारिवारिक मामले हैं जहां पर लड़कियों को और महिलाओं को एक के दायरे में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। यह रवैया न केवल लड़कियों की प्रगति को प्रभावित कर रहा है बल्कि उनका आत्मविश्वास को भी प्रभावित कर रहा है। और अपने सामाजिक, शैक्षिक और बौद्धिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का मन अब दायरे में सीमित हो रहा है। और यदि लड़कियां इंटरनेट का प्रयोग करती है तो सगे संबंधियों द्वारा उनके परिवार मे चुगली कर दी जाती है।

अगर किसी व्यक्ति या महिला की काबिलियत पर लगातार उंगली उठाई जाए तो वह अपनी याददाश्त, महसूस करने की क्षमता और काम को परफेक्शन के साथ कर पाने की सलाहियत पर भरोसा खो बैठती है। जब महिला मानसिक उत्पीड़न और ऐसा दुर्व्यवहार अपने नजदीकी रिश्तों या वर्कप्लेस पर झेलती है, जहां लोग उसे जानबूझ कर सताते हैं या उसके दिमाग पर सेंध लगा कर उसके सोचने समझने काबिलियत को खत्म करते हैं तो ऐसा दुर्व्यवहार गैसलाइटिंग कहलाता है। इसमें व्यक्ति या स्त्री

को मजबूर कर दिया जाता है कि वह दूसरे के हाथों की कठपुतली बनी, अपने आपको किसी काम का नहीं समझती। गैसलाइटिंग से पीड़ित महिला मानसिक तनाव में रहते हुए हमेशा परेशान रहती है।

इंटरनेट से दूरी बनाए रखने का एक कारण सोशल मीडिया पर हो रहे व्यवहार भी है। ऑनलाइन उत्पीड़न के कारण लड़कियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चूंकि लड़कियों का इंटरनेट से जुड़ना पूर्वाग्रहों और दुर्व्यवहार के डर से प्रतिबंधित है, इसलिए वे खुद को टेकसैवी के रूप में नहीं देखती हैं और इंटरनेट को वे ऐसा नहीं मानती कि वह उनके लिए है। लैंगिक असमानता के चलते जहां कम से कम 61 प्रतिशत पुरुषों के पास मोबाइल फोन है, वहीं महिलाओं में यह संख्या 31 प्रतिशत पर ही रुक जाती है। यानी पूरे 30 प्रतिशत का अंतर है पर अंतर दलित महिलाओं के मुकाबले सवर्ण लोगों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना औसतन 7 प्रतिशत ज्यादा है।

जहां ग्रामीण भारत की महिलायें इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए संकुचित है, वहीं शहरों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की संख्या मे बढ़ोत्तरी तो है मगर असमानता की स्थिति शहरों में भी व्याप्त है। फर्क दोगुना से भी ज्यादा का है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

एम पी मतदान

इंदौर में लाठीचार्ज, महू में तलवारबाजी और दिमनी में पत्थरबाजी के साथ हुआ मतदान

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बंपर वोटिंग हो रही है। दोपहर एक बजे तक अधिकांश जगहों पर 40 फीसदी के पार वोटिंग हुई है। इस बीच कई जगहों से हिंसा की खबरें भी आ रही हैं। इंदौर-4 बीजेपी और कांग्रेस कार्यकताओं में झड़प हुई है। इस दौरान पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा है। इसके साथ ही दिमनी में पत्थरबाजी की घटना हुई है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कुछ अधिकारियों पर बीजेपी के लिए काम करने का आरोप लगाया है।

बंपर हो रही वोटिंग

वहीं, मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए 230 सीटों पर वोटिंग हो रही है। अभी तक 40 फीसदी से अधिक मतदान हो गए हैं। वहीं, खंडवा में 49 फीसदी से पार मतदान हुए हैं। श्योपुर में एक बजे तक 51 फीसदी वोटिंग हुई है। औसतन पूरे मध्यप्रदेश की बात करें तो 45 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई है।

इंदौर में लाठी चार्ज

इंदौर में वोटिंग से एक दिन पहले से ही माहौल गरम है। कई क्षेत्रों से मारपीट की खबरें आ रही हैं। विधानसभा क्रमांक चार में मारपीट की घटना हुई है। पुलिस थाने के सामने ही मारपीट हुई है। इन्हें नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करनी पड़ी है। बीजेपी के कार्यकर्ताओं पर कांग्रेसियों ने मारपीट का आरोप लगाया है।

छतरपुर में कांग्रेस समर्थक की हत्या

इसके साथ ही छतरपुर जिले के राजनगर विधानसभा में कांग्रेस समर्थक की वाहन से कुचलकर मौत का मामला सामने आया है। कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर विक्रम सिंह नाती राजा ने बड़ा आरोप लगाया है। नातीराजा ने कहा कि मेरा सलमान गाड़ी पर नहीं चढ़ पाया और सामने वालों ने कह दिया कुचल दो इसको। घटना के बाद कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर विक्रम सिंह नाती राजा और बीएसपी प्रत्याशी डॉक्टर घासीराम पटेल समर्थकों के साथ थाने पहुंचे। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

महू में तलवारबाजी

वहीं, इंदौर जिले के महू में वोटिंग के दौरान तलवारबाजी हुई है। इस घटना में दो लोग जख्मी हुई है। घायलों ने आरोप लगाया है कि मतदान केंद्र पर कुछ लोग वोट डालने का दबाव बना रहे थे। इनकार करने पर मारपीट की है। यह पूरा मामला बड़गोंदा थाना क्षेत्र का है।

दिमनी में हिंसा

वहीं, मुरैना जिले में दिमनी विधानसभा सीट सबसे हॉट है। इस सीट पर सुबह में हिंसा हुई है। दो पक्षों में गोलीबारी और पत्थरबाजी हुई है। पथराव में दो लोग जख्मी हुए हैं। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती है। अब शांति पूर्ण तरीके से वोटिंग चल रही है।

कमलनाथ ने अधिकारियों पर लगाए आरोप

पूर्व सीएम कमलनाथ ने वोटिंग के बीच आरोप लगाया है कि बीजेपी पुलिस, पैसा और प्रशासन का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने रात भर शराब और पैसे बांटे हैं। इंदौर-1 में मैने एसपी से बात की है। मुरैना एसपी बीजेपी कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। कांग्रेस की सरकार बन रही है। जनता तय करेगी कि कितनी सीटें आएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

STUDIO HOME
Fully Furnished
₹59.95 LACS*

1-BHK HOME
Semi Furnished
₹1.25 CRS*

Your
PERFECT HOME
is wating for you.

DUSSEHRA OFFER
₹2 Lacs Discount
to Empower Women

CONTACT
9820961360
9967119955
9820441545
keshavestate@gmail.com

I-stay BY STARWING
I-Stay, Marol Andheri East

Strategic Partner
KESHAV ESTATE CONSULTANT SINCE : 1990 RERA NO : A51700045892

RERA NO: A51700045892